राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

74वें गणतंत्र दिवस का राज्य स्तरीय समारोह

भव्यता, उत्साह और उमंग के माहौल में मनाया गया गणतंत्र दिवस

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी भी समारोह में रहे उपस्थित

जयपुर, 26 जनवरी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुरुवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इसके बाद राज्यपाल श्री मिश्र ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी गारद द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी एवं बीस सूत्री कार्यक्रम की आयोजन, क्रियान्वयन व समन्वय समिति के उपाध्यक्ष डॉ. चन्द्रभान भी समारोह में उपस्थित रहे।

भव्य एवं गरिमापूर्ण गणतंत्र दिवस समारोह में हाड़ीरानी महिला बटालियन, पुलिस आयुक्तालय जयपुर, एसडीआरएफ, जीआरपी, जेल प्रहरी, बॉर्डर होमगार्ड, 14वीं बटालियन आरएसी, हरियाणा पुलिस, अर्बन होमगार्ड, एनसीसी आर्मी एवं एयरविंग, स्काउट एवं गाइड, एमजीडी स्कूल आदि की 16 टुकड़ियों ने परेड में हिस्सा लिया। परेड का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी श्री मनीष कुमार ने किया।

समारोह में उड़ीसा, हरियाणा, गुजरात, असम और राजस्थान के लोक कलाकारों और स्कूली बच्चों ने 'जय भारत गुणगान करें, एकता से मिल कर नए भारत का निर्माण करें' गीत पर नृत्य संयोजन सहित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। प्रख्यात रंग निर्देशक भानु भारती के निर्देशन में हुई इनकी मनोहारी प्रस्तुतियां देखकर उपस्थित गणमान्य एवं आमजन देशभक्ति के भाव से ओत–प्रोत हो उठे।

इसक बाद राजस्थान पुलिस के अश्वारोही दल ने फ्लैग पास्ट किया और अद्‌भुत करतब दिखाए। एमजीडी स्कूल, प्रिंस एकेडमी सीकर, भारतीय सेना और राजस्थान पुलिस के सेन्ट्रल बैण्ड ने देशभक्ति गीतों और समारोही धुनों की समवेत एवं सुमधुर प्रस्तुतियां दीं। राष्ट्रगान के गायन के साथ समारोह का समापन हुआ।

समारोह में मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक श्री उमेश मिश्रा सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, कर्मचारी, विशिष्ट एवं आमजन उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए

इससे पहले राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने 74वें गणतंत्र दिवस पर सवाई मान सिंह स्टेडियम के समीप अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया और मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

————————